हरिभूमि

सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 1 जुलाई 2024

तापमान

अधिकतम 38 .3 डिग्री
न्यूनतम 25 .7 डिग्री

11 भारतीय राजनीति के पितामह थे नौरोजी

12 विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

खबर संक्षेप

भाभी पर ब्लेड से वार देवर पर केस दर्ज

सोनीपत। शहर की धानक बस्ती वार्ड-2 में देवर ने भाभी पर ब्लेड से हमला कर दिया। आरोपित ने भाभी के गाल, गर्दन, सिर व चेहरे पर ब्लेड मारे। पुलिस ने महिला की शिकायत मिलने पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है। अब आरोपित की तलाश की जा रही है। गीता ने बताया कि वह धानक बस्ती वार्ड नंबर- 2 गली नंबर 7 की रहने वाली है। वह अपने घर पर अकेली थी, उसका देवर हरनारायण उर्फ हन्नी उनसे अलग रहता है। आरोपित ने उसके घर में घुस आया। इसके बाद आरोपित ने अपने हाथ में लिए हुए ब्लेड से उसकी गर्दन ,गाल, चेहरे व सिर पर ब्लेड से वार किए। इसके साथी आरोपित ने गाली देकर लात-मुक्के मारे। आरोपित ने कहा अगर उसने उसका कहा नहीं माना तो जान से मार देगा। इसके बाद मौके पर उसकी सास आ गई। सास ने उसे आरोपित से छुटवाया। आरोपित हन्नी ने जाते-जाते ईंट फेंक कर कर मारी।

कार ने बाइक सवार को टक्कर मारी, दो घायल

गोहाना। जींद-गोहाना मार्ग पर गांव बुटाना के निकट तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर सवार मां व बेटा रोड पर गिरकर घायल हो गया। बरोदा थाना में मामला दर्ज किया गया। ईशापुर खेड़ी के अंजित कुमार ने पुलिस को बताया कि वह खेती करता है। शनिवार को बाइक पर अपनी मां राजबाला को लेकर गोहाना से गांव जा रहा था। जब वे गांव बुटाना के निकट गढ़ी मोड़ के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे वह और उसकी मां घायल हो गए। चालक कार लेकर जींद की तरफ भाग गया। उसने वाहन का प्रबंध करके अपनी मां को रोहतक अस्पताल में दाखिल करवाया। उसे नागरिक अस्पताल गोहाना से बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज में रेफर कर दिया

राजपुर पशु अस्पताल के पास से बाइक चोरी

गन्नौर। गांव राजपुर में पशु अस्पताल में मन्दिर के पास खड़ी मोटरसाईकिल चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में पुरखास गांव के दीपक ने बताया कि दो साल पहले सोनीपत से अमित गांव सिसोली के नाम से मोटरसाईकिल खरीदी थी। 28 जून को अपने घर से मोटरसाईकिल लेकर गांव राजपुर मंदिर मे आया था। बाइक गांव के मंदिर के बाहर पशुओं के अस्पताल में खड़ी की थी।

बड़ा सवाल : अगर यमुना उफनी तो ... शहर का क्या होगा

तटों पर रेत का टीला बनाकर रखे जा रहे कट्टे, पानी में बहने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

भारी मानसून की चेतावनी के बीच जिला प्रशासन ने यमुना पर ठोकरें बनाने का काम शुरू कर दिया है। जिसके तहत यमुना किनारे प्लास्टिक के कट्टों में रेत भरकर ठोकरें बनाई जा रही हैं। इसी बीच इन प्रबंधों को लेकर आसपास के किसानों ने सवाल उठाए हैं। किसानों ने इन प्रबंधों को नाकाफी बताते हुए कहा कि ये प्रबंध बाढ़ की स्थिति में टिक नहीं पाएंगें। क्योंकि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में ये ठोकरें पानी को रोकने में असमर्थ होंगी। बता दें कि हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़े जाने के कारण यमुना क्षेत्र के किसानों व आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी होती है। किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग की ओर से ठोकरें बनाने के बीच रेत का टीला बनाकर कट्टों की परत रखी जा रही है।

■ हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़े जाने के कारण यमुना क्षेत्र के किसानों व आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है

पिछले साल यमुना के पानी में तटों पर खड़े पेड़ तक बह गए थे

मानसून में यमुना में जलस्तर बढ़ेगा तो पानी के आगे रेत से प्लास्टिक के कट्टों की परत कैस टिक पाएगी। पिछले साल यमुना किनारे खड़े पेड़ भी बह गए थे। सिंचाई विभाग ने यमुना में ठोकर बनाने काम शुरू किया तो पत्थर की कमी आड़े आ गई थी। अब बेगा, बड़ौली व मनौली घाट पर पत्थरों के बजाय मिट्टी से कट्टे की ठोकरें बनाई जा रही है। इस कार्य को पूरा करने के लिए 1.12 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। जिससे अचानक हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़े जाने के कारण यमुना क्षेत्र के किसानों व आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी से बचाया जा सके। लेकिन विधायक मोहनलाल के गांव बड़ौल में यमुना घाट के अंदर बनाई जा रही ठोकरों के लिए रेत का टीला बनाकर कट्टों की परत रखी जा रही है। इसकी भनक लगते ही किसान रविवार को यमुना घाट पर पहुंचे। वहां रेत का टीला बनाकर रखी गई कट्टों की परत को लेकर किसानों ने सिंचाई विभाग के खिलाफ रोष जताया।

किसान बोले धांधली

किसानों का कहना है कि अगर यमुना नदी में जलस्तर बढ़ा तो पिछले साल की तरह इस बार भी किसानों को काफी नुकसान होगा। सिंचाई विभाग की ओर से रेत का टीला बनाकर उसको कट्टों की परत से ढका जा रहा है। जिससे साबित होता है कि सिंचाई विभाग के अधिकारी सरेआम काम में धांधली रहे है और सरकार के राजस्व को नुकसान पहुंचा रहे है। इस मौके पर किसान नेता वीरेंद्र पहल, मोनू, राकेश, विजय, सतबीर, राजेश ने बताया कि किसानों के साथ किए जा रहे खिलवाड़ को किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जाएगा। किसानों ने मांग करते हुए कहा कि सरकार व प्रशासन रेत से भरे कट्टों से बनाई जा रही ठोकरों की जांच कराई जाए। साथ ही किस व्यक्ति की सह पर इस तरह की ठोकरें बनाने का काम किया जा रहा है। इस मामले में अनियमितता स्पष्ट नजर आ रही है। ऐसे में ठोकरें बनाने में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही ठोकरों को मजबूत बनाने की मांग उठाई।

यमुना जलस्तर बढ़ने से पहले ठोकरों को मजबूर किया जाएगा

बड़ौली, मनौली व बेगा घाट पर मिट्टी से कट्टे रखकर ठोकरें बनाई जा रही है। किसानों ने बड़ौली घाट पर ठोकर को लेकर एतराज जताया है। अधिकारियों को भेजकर किसानों को समझाया गया। अगर नियमों के साथ ठोकर निर्माण में कहीं कमी रही होगी तो उसकी जांच कराई जाएगी। साथ ही यमुना में जलस्तर बढ़ने से पहले ठोकरों को मजबूर किया जाएगा।

आशीष कौशिक, कार्यकारी अभियंता, सिंचाई विभाग, सोनीपत

करोड़ों की लागत से बननी है पत्थर की ठोकरें

सिंचाई विभाग की ओर से बेगा, मनौली व बड़ौली यमुना क्षेत्र में भी पत्थरों की ठोकरें बनाने का किया जाना था। बेगा क्षेत्र में 8 नई ठोकर 2.11 करोड़ रुपये, बड़ौली क्षेत्र में 8 नई ठोकरें 2.45 करोड़ रुपये और मनौली क्षेत्र में 6 नई ठोकरें 2.40 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जानी थी। इसके लिए विभाग की ओर से टेंडर लगाया गया था, लेकिन चरखीदादरी से यमुना नदी पर पत्थर पहुंचाने में देरी हो रही थी। ऐसे में उच्च अधिकारियों ने अचानक योजना को बदला और मिट्टी के कट्टों की ठोकरें बनाने का निर्णय लेना पड़ा। अब विभाग की ओर से 1.20 करोड़ रुपये से बड़ौली, मनौली व बेगा घाट पर मिट्टी से कट्टे रखकर ठोकरें बनाने का काम किया जा रहा है। तीनों घाटों पर ठोकरों की संख्या दोगुनी बढ़ाई गई है।

स्कॉर्पियो व ईको की भिड़ंत महिला की मौत, पति घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ पति की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच की शुरू

शहर के रोहतक रोड टाटा शोरूम के पास डिवाइडर क्रॉस करके एक स्कॉर्पियो ने ईको गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में ईको सवार महिला की मौत हो गई, जबकि पति गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसे की सूचना के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पति की शिकायत पर आरोपित गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है।

गांव हसनगढ़ जिला रोहतक के रहने वाले रामनिवास पुत्र महाबीर ने पुलिस को बताया कि वह 29 जून को अपनी ईको गाड़ी को चलाकर सोनीपत से अपने गांव हसनगढ़ के लिए चला था। गाड़ी में उसके साथ उसकी पत्नी सुमित्रा 49 वर्ष भी बैठी थी। शाम करीब साढ़े 7 बजे जब वह गाड़ी को लेकर आईटीआई चौक से कालूपुर चुंगी सोनीपत की तरफ टाटा शोरूम के सामने पहुंचा तो सड़क की दूसरी तरफ से एक स्कॉर्पियो चालक अपनी गाड़ी को बहुत तेज रफ्तार व लापरवाही से चलाता हुआ आया। स्कॉर्पियो गाड़ी दूसरी साइड से डिवाइडर क्रॉस करते हुए आई ओर उनकी साइड में आकर ईको टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद मौके पर स्कॉर्पियो पलट गई

टक्कर लगने के बाद स्कॉर्पियो पलट गई। हादसे में वह ओर उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हुए। दुर्घटना होने से मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। मौके पर इकट्ठा लोगों ने उसे व उसकी पत्नी को गाड़ी से बाहर निकाला। उसने इस दौरान देखा कि स्कॉर्पियो को कुछ लोग सीधी कर रहे थे। स्कॉर्पियो के नीचे एक बाइक भी निकाला। जिसमें जयभगवान नाम का व्यक्ति घायल हुआ। स्कॉर्पियो में तीन-चार लड़के बैठे थे। पत्नी सुमित्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा स्कॉर्पियो चालक की लापरवाही से हुआ है, आरोपित पर कार्रवाई की जाए। सदर थाना प्रभारी सेठी मलिक ने बताया कि मामले में गाड़ी चालक पर केस दर्ज कर दिया है।

मारपीट कर बाइक और फोन छीना

सोनीपत। क्षेत्र में लूटपाट की वारदात थम नहीं रही है। अब चार बदमाशों ने एक कंपनी के कर्मचारी पर रात को क्रिकेट के स्टंप से हमला करके मोबाइल व बाइक लूट ली। पीड़ित के सिर में चोट आई है। घायल को परिजनों ने इलाज दिलाया। मामले की शिकायत जीआरपी थाना को दी। जीआरपी ने मामले में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। गांव गढ़ी झझारा के रहने वाले चांद पुत्र हुकमचंद ने पुलिस को बताया कि वह सिंगर वेयर हाऊस बादशाही रोड़ गन्नौर कंपनी में नौकरी करता है। रात 10 बजे के आसपास वह कंपनी से अपनी बाइक पर सवार होकर अपने घर के लिए चला था। रात साढ़े 10 बजे के आसपास जब वह रेलवे लाइन के नीचे बनी पुलिया नंबर-92 के पास पहुंचा तो उसके नीचे से निकलने के लिए अपनी बाइक धीमी की। इस दौरान उसके दोनों तरफ से 4-5 लड़के अपने हाथों में क्रिकेट की स्टंप लिए हुए आए। एक लड़के ने उसके सिर पर क्रिकेट स्टंप से वार किया। जबकि दूसरे ने उसकी कमर में स्टंप मारी। आरोपियों ने उसे घायल करने के बाद उसकी बाइक व मोबाइल लूट लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

मारपीट कर पैर की हड्डी तोड़ी, आरोपी इलाज के बहाने पीजीआई के गेट पर छोड़कर फरार

गोहाना। गांव मिजार्पुर खेड़ी में एक युवक ने गांव के दो लोगों पर उससे मारपीट करने और पैर की हड्डी तोड़ने का आरोप लगाया। हमलावर उसे खुद पीजीआई रोहतक ले गए और अस्पताल के गेट पर छोडकर भाग गए। उसने फोन करके अपने भाई को बुलाया और उपचार कराया। बरोदा थाना में मामला दर्ज किया गया। सुनील ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात को वह और गांव का संदीप गांव छिछडाना में सचिन के पास गए थे। वहां पर तीनों आपस मे बातचीत कर रहे थे कि सचिन गाली देने लगा। जब उसने विरोध किया तो सचिन ने उसे पकड़ लिया और संदीप ने डंडा उठाकर उसके पैरों पर मारना शुरू कर दिया। उसके बाएं पैर की हड्डी तोड़ दी। इसके बाद दोनों उसे उठाकर पीजीआइ रोहतक लेकर गए और अस्पताल के गेट पर छोड?र भाग गए। उसे धमकी दी गई कि घटना के बारे में किसी को बताया तो जान से मार देंगे। उसने एक व्यक्ति का फोन लेकर अपने भाई श्रीभगवान से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी।

मोबाइल चोरी कर खाते से 34 हजार रुपये ट्रांसफर करने का आरोप, केस

गोहाना। गांव सैनीपुरा में किराए पर रह रहे एक कामगार का मोबाइल चोरी करके उसके खाते से लगभग 34 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। मोबाइल के कवर में भी पांच हजार रुपये थे। उसके दो साथियों को उसके फोन-पे का कोड पता था। सदर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया। राजस्थान में गांव कालूवास के ज्ञानचंद मीणा ने पुलिस को बताया कि वह गांव मुंडलाना में अडानी कंपनी में काम करता है। वह गांव सैनीपुरा में किराए पर रहता है। 24 जून की रात को वह मकान की छत पर अपने साथी कान्हा राम मीणा, जगन उर्फ मनीष मीणा, घमंडी मीणा, पींटू मीणा, हेमराज मीणा, सीताराम मीणा, रामधन मीणा के साथ सो रहा था। उनके साथ बिहार के भी चार लोग सो रहे थे। अगले दिन सुबह उसकी नींद खुली तो उसका मोबाइल नहीं मिला। मोबाइल के कवर में आधार कार्ड व पांच हजार रुपये थे। उसने 27 जून को बैंक जाकर पता किया तो बताया गया कि फोन-पे के माध्यम से उसके खाते से 34 हजार रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। कान्हा राम व मनीष मीणा को उसके फोन-पे का कोड पता था।

शराब तस्करों को अदालत ने जेल भेजा

गोहाना। शहर थाना गोहाना की पुलिस ने अवैध शराब की घटना में गिरफ्तार दो आरोपितों को न्यायालय में पेश करके जेल भेज दिया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया था। गत 29 जून को सहायक उप निरीक्षक दिवान पुलिस की टीम के साथ कालेज मोड के निकट मौजूद थे। उन्हें सूचना मिली कि महिंद्रा पिकअप में भारी मात्रा में बियर भरी गई है और दो युवक उसे गोहाना से जींद की तरफ लेकर जाएंगे। इसके बाद पुलिस ने जींद रोड स्थित रेलवे ओवरब्रिज के निकट नाका लगाकर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बार पिकअप आई तो पुलिस ने उसे रुकवा लिया। चालक ने अपनी पहचान जींद में गांव अमरावली खेड़ा के अजय कुमार और उसके साथी ने गांव जामनी के अनिल कुमार के रूप में दी। गाड़ी की जांच की तो उसमें बियर की 200 पेटी मिली। अजय व अनिल बियर को लेकर लाइसेंस, परमिट व अन्य दस्तावेज पेश नहीं कर पाए। जांच में बियर की पेटियां अवैध मिली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बियर की पेटियों और गाड़ी को जब्त कर लिया।

मालिकाना हक को लेकर खरखौदा के गढ़ी मोहल्ले में हुई पंचायत, जल्द मुख्यमंत्री सैनी से मिलेंगे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ खरखौदा

पिछले लगभग 150 वर्षों से 10 एकड़ में बसा सैनी गढ़ी मोहल्ला को अब तक लाल डोरा में मानते हुए विकास कार्य किए जा रहे थे। लेकिन ड्रोन से पैमाइश के बाद वर्णित मोहल्ले को राजस्व विभाग की जमीन बताते हुए नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस भी 27 मई की बैक डेट के जारी हो रहे हैं। बहुत से लोगों को अभी नोटिस नहीं मिले हैं, मगर जिन्हें मिले हैं उन्हें भी बैक डेट के नोटिस मिले हैं। गढ़ी मोहल्ले की मलकियत का मामला तत्कालीन सीएम व डिप्टी सीएम के समक्ष पेश किया था। जिस पर तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने 22 फरवरी को ऐसी कालोनियों को तोड़ने के बजाए मलकियत नाम करने की नीति बनाई थी। अब इस मामले में पंचायत प्रदेश सीएम नायब सिंह सैनी से मिलकर पॉलिसी के जल्द कार्यान्वयन की मांग करेंगे। पंचायत में सावित्री बाई फुले पार्क समिति प्रधान कप्तान सिंह, रति राम, सतबीर सिंह, ओमे, लालचंद, रामकंवार, धर्मबीर सहित बड़ी संख्या में मोहल्ले वासी उपस्थित हुए। तत्कालीन सीएम मनोहर लाल की घोषणा के बाद सैनी गढ़ी मोहल्ला खरखौदा मामले में यूनिक आईडी फाइल नम्बर 5373 के तहत हरियाणा कंट्री एंड टाउन प्लानिंग विभाग व शहरी स्थानीय निकाय के पास मामला अभी भी लंबित है। इसी तरह से यूनिक आईडी नंबर 5224 पंचायती विभाग के पास लंबित है। यूनिक आईडी नंबर 1570 जो कि एडिशनल चीफ सेक्रेटरी हरियाणा रेवेन्यू एंड डिजास्टर मैनेजमेंट की तरफ से टाउन एंड कंट्री प्लानिंग को भेजी गई । जिसकी लास्ट अपडेट 1 मई 2024 है। अब यह फाइल भी लंबित है। फाइल यूनिक आईडी नंबर 1963 एल आर ब्रांच रेवेन्यू एंड डिजास्टर मैनेजमेंट के अधीन लंबित है।

■ 150 वर्षों से 10 एकड़ में बसा है मोहल्ला

■ ड्रोन से पैमाइश में मोहल्ले को राजस्व विभाग की भूमि बताया

पंचायत करते लोग

यह है मामला

खरखौदा नगर पालिका के अधीन आने वाले सैनी मोहल्ला वार्ड 16, करीब डेढ़ सौ साल पहले बसा हुआ है। सरकार की वर्ष 2017 में हुई पैमाइश के बाद इस मोहल्ले को अवैध घोषित कर दिया गया। जबकि इससे पहले इस एरिया को लाल डोरा में मानते हुए यहां विकास कार्य कराए गए व लोगों की जमीन की रजिस्ट्रियां भी प्रशासन द्वारा होती रही। प्रोपर्टी आईडी बनने के बाद भी यहां पर प्रशासन द्वारा रजिस्ट्रियां की गई है।

ये है मोहल्ले वासियों के पास रिकार्ड

मोहल्ले वासियों के पास डेढ़ सौ से 200 साल पुराना कुसीनामा जो कि गढगांगा अस्थियां प्रवाहित संस्था के रिकार्ड से निकलवाया हुआ है। पुराने बिजली बिल, शुरूआती समय के वोट कार्ड, पुराने हाउस टैक्स, शिक्षा से संबंधित दस्तावेज सरकारी नौकरियों से संबंधित दस्तावेज हाउस टैक्स, पुराने कुएं पुरानी चौपाल, कई पुरानी रजिस्ट्री भी उपलब्ध हैं।

हाईकोर्ट के आदेश पर नोटिस दिए गए

हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक खरखौदा में नोटिस दिए गए हैं। जिस मकान व प्लॉट मालिक के पास पुख्ता सबूत हैं, उनको प्रोपर्टी आई नंबर जारी कर देंगे व उनका नोटिस कैंसिल कर देंगे। इसके अलावा जो जमीन नगरपालिका की है उसे खाली कराने के लिए पीपी एक्ट के तहत कोर्ट में केस डालकर उन्हें खाली कराया जाएगा।

संदीप कुमार सचिव नगरपालिका खरखौदा

सेक्टर-14 में मकान में चोरी, परिवार को नौकरानी पर शक

सोनीपत। शहर के सेक्टर-14 में अधिवक्ता के घर में चोरी की वारदात हुई है। मकान से सोने व हीरे के आभूषण चोरी कर लिए गए। अधिवक्ता ने चोरी का आरोप झाड़ू पोछा लगाने वाली महिला पर लगाया है। मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत पर चोरी का केस दर्ज कर दिया है। अब जांच की जा रही है। अधिवक्ता संदीप दलाल ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-14 में रह रहा है और सोनीपत न्यायालय में वकालत करता है। आरोपित उसके घर में झाड़ू-पोछा,सफाई आदि करने का काम करीब एक साल से कर रही है। अप्रैल 2024 में उसके साले की मौत हो गई थी, जिस कारण वह सभी अंतिम संस्कार में चले गये थे तथा उसकी पत्नी ने अपने सभी जेवरात अलमारी के लॉकर में रखे थे। ससुराल से आने के बाद भी उन्होंने जेवरात को चेक नहीं किए। लेकिन अब जब अलमारी को चेक किया तो देखा कि अलमारी के लॉकर में से पत्नी की चार अंगूठी सोने की, एक अंगूठी हीरे की, एक जोडी कानों की टॉपस हीरे के, एक माता का लॉकेट (सोने का) चोरी था। उन्होंने काफी तलाश व पूछताछ की, लेकिन जेवरात का पता नहीं चला। फिर उन्होंने आरोपित के हाव-भाव देखे तो काफी बदले-बदले लगे। उसे पूरा यकीन है कि आरोपित महिला ने ही उनके आभूषण चुराए हैं। सेक्टर-27 थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है।

ग्रीन सिटी अभियान : समाज कल्याण संगठन ने रोपे 34 पौधे

गोहाना। संगठन के सदस्यों के साथ पौधारोपण करते हुए परिवार के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

■ जन्मदिन पर परिवार ने बेटा व बेटी के साथ किया पौधरोपण

समाज कल्याण संगठन ने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अपने साप्ताहिक अभियान में रविवार को विभिन्न किस्मों के 34 पौधे रोपे। संगठन के सदस्यों ने रोपित पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया और पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की। संगठन के इस अभियान में एक परिवार द्वारा त्रिवेणी रोपकर अपनी बेटी व बेटे का जन्मदिन भी मनाया। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की।

संगठन द्वारा गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। इसके लिए संगठन द्वारा पिछले करीब डेढ़ दशक से सप्ताह के प्रत्येक परिवार को शहर में सार्वजनिक स्थलों पर पौधारोपण किया जाता है। इस क्रम में संगठन द्वारा रविवार को महम मोड से रेलवे क्रासिंग तक सडक के साथ खाली फुटपाथ की खाली जगह में बरगद, पीपल, नीम और जामुन के 34 पौधे रोपे। संगठन के इस अभियान में एक परिवार द्वारा अपनी बेटी खुशबू का 24वां व बेटे कर्ण का 26वां जन्मदिन त्रिवेणी रोप कर मनाया। पौधारोपण में परिवार के सदस्यों में बच्चों के पिता हरिमोहन शर्मा, मां माया देवी व पुत्रवधू संजना के अलावा संगठन के सदस्यों में मनोज कुमार, सुनील, राजेश, मुकेश, पवन, बलजीत जांगड़ा, सुभाष वन दरोगा, बिजेंद्र कुमार, हरीश पांचाल, जगदीश, प्रवीण व अन्य मौजूद रहे।

साहित्य

डर रखने से हम अपनी ज़िंदगी को बढ़ा तो नहीं सकते. डर रखने से बस इतना होता है कि हम ईश्वर को भूल जाते हैं, इंसानियत को भूल जाते हैं.ऐसे देश को छोड़ देना चाहिए जहाँ धन तो है लेकिन सम्मान नहीं|

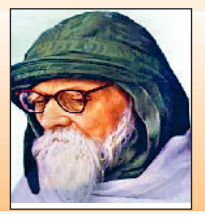

- विनोबा भावे

गतांक से आगे

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे। रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है।

कहानी | दिव्या शर्मा

शक का संक्रमण

कृति ने चाय को गले से उतारा और स्टीम लेने लगी। वैभव वहीं खड़ा था।

'तुम जाओ...बीमार हो जाओगे...जाओ प्लीज।'कृति ने जोर देकर कहा।

'मैं ठीक हूँ। सुबह कोरोना का टेस्ट होगा हमारा। तुम रिलेक्स रहना कृति।' वैभव उसे समझाते हुए बोला। कृति ने हाँ में सिर हिलाया। थोड़ी देर में वह फिर से सो गई। कोरोना के लक्षण अभी इतने नहीं दिखाई दे रहे थे, लेकिन वैभव डर गया। कृति के मायके फोन कर खबर देने के बाद वैभव ने सारे घर को सेनिटाइज किया। चाय का कप लेकर कृति के कमरे के बाहर ही बैठ गया। कृति बीच बीच में खाँस रही थी और बेचैनी से अपने सीने को रगड़ रही थी। अस्पताल ले जाना खतरनाक था, क्योंकि अस्पताल से आती मौत की खबरों ने दहशत मचा रखी थी। वैभव की आँखों में नींद नहीं थी। वह एकटक कृति को देख रहा था। कृति बार बार अपनी गर्दन पर हाथ फेर रही थी। बाहर फैला काला स्याह सन्नाटा कोरोना के साथ मिलकर सबके दिलों से खेल रहा था जैसे 'पा...पानी' कृति के होंठ बुदबुदाए।

वैभव भागकर फ्लास्क में से गुनगुना पानी निकाल कर कृति के होंठों से लगा देता है। लिटाकर टेम्प्रेचर लेता है। बुखार कुछ कम हुआ था, लेकिन अब भी एक सौ दो पर अटका था।

भगवान की मूर्ति के सामने हाथ जोड़े वैभव अपने मन की पीड़ा को मौन हो व्यक्त कर रहा था। शरीर में थकान उसे भी महसूस हो रही थी लेकिन वह खुद पर नियंत्रण रखे थे।

रात भी जाने कितनी लम्बी थी जो सरक ही नहीं रही थी। वह कृति के कमरे के बाहर दरवाजे पर टेक लगातार जमीन पर बैठ जाता है। धीरे धीरे नींद उसे अपने आगोश में ले दुनिया के झंझटों से दूर ले जाती है। रात अब भी जाग रही थी। स्याह काले सन्नाटे के साथ बीच बीच में पुलिस की गाड़ी की आवाज़ सुन यह सन्नाटा कहीं दुबक जाता, लेकिन गाड़ी के गुजरते ही बेशर्मी से ठठाकर हँस पड़ता। शहर के घरों में कैद जिन्दगियां एक दूसरे से दूरी बनाएं एक दूसरे की सलामती की दुआएँ कर रही थी।

कोरोना ने लोगों के पैरों को तोड़ दिया था जैसे वह अपने पैरों की रफ्तार थाम चुके थे, लेकिन दिमाग में चलते विचार भविष्य के अंधकार को दिखा रहे थे। सूरज अपने समय पर उगा। खिड़की से आती सूरज की रोशनी कृति के चेहरे पर पड़ने लगी। वह नींद से जाग जाती है। शरीर में टूटन थी। सहारा ले बिस्तर से उठती है और बाथरूम में घुस जाती है। वैभव दरवाजे के पास ही जमीन पर बेखबर सो रहा था। बाथरूम से बाहर आकर कृति की नजर जमीन पर लेटे वैभव पर पड़ती है। वह कसमसा कर रह जाती है। अपने शरीर में दो कदम चलने की हिम्मत भी कृति से नहीं हो रही थी। साँस लेने में उसे तकलीफ होने लगी। वह वैभव को बुलाना चाहती थी, लेकिन खाँसी के तेज उफान से यह नहीं हो सकता था। उसके खाँसने की आवाज़ से वैभव की नींद टूट जाती है वह हड़बड़ा कर उठता है और देखता है कि कृति बिस्तर पर सिकुड़ कर लेटी हुई है। वह अपने मुँह पर मॉस्क ठीक करता है और उसके पास जाकर उसे सीधा करता है। कृति गले में रुकावट का इशारा करती है। वैभव गुनगुना पानी उसके गले में उतार देता है। कृति को राहत महसूस होती है।

वैभव की घबराहट कृति के लिए बढ़ती जा रही थी। वह लगातार व्हाट्सएप पर ऑक्सीजन सिलेंडर के इंतजाम के लिए मैसेज कर रहा था। ऑक्सीमीटर ऑर्डर कर वैभव कोरोना हेल्पलाइन सेंटर में कॉल कर कृति की स्थिति बताता है। वहाँ से वैभव को कुछ निर्देश मिलते हैं। कोरोना टेस्ट के लिए पीपीई किट पहने दो लोग आए और उनका सैंपल ले गए। मौत का भय कैसे मस्तिष्क को शून्य कर देता है यह वैभव और कृति महसूस कर रहे थे। बिस्तर पर पड़ी कृति वैभव की उसके लिए चिंता साफ महसूस कर रही थी। प्यार जो स्याही सोखते की तरह कहीं सारी भावनाओं को सोख रहा था एक बार फिर वापस तरल होने लगा। घर के काम और कृति की देखभाल में वैभव भूल गया था कि कृति उसके साथ बस कुछ दिनों के लिए है। ऑक्सीमीटर से रोज ऑक्सीजन नापने से लेकर कृति को नहलाने तक का काम वैभव कर रहा था और कृति उसके प्रेम को धीरे धीरे पी रही थी। मन में अजीब सी ग्लानि महसूस कर कृति अक्सर रो देती लेकिन वैभव के सामने सामान्य बनी रहती। कृति तकलीफ में थी। मन से भी और शरीर से भी, लेकिन उसके अपनों ने उससे दूरी ही रखी। शायद भय था कि कहीं कृति उनसे कोई मदद न माँग ले। वैभव कोरोना को लेकर ऑनलाइन सर्च करता रहता। कृति के इलाज के साथ सावधानी और उसकी डाइट पर वैभव कोई लापरवाही नहीं करना चाहता था। दिन बीत रहे थे और कृति तेजी से रिकवर कर रही थी, लेकिन कमजोरी इतनी थी कि वह खुद के काम करने में भी सक्षम महसूस नहीं कर रही थी। बॉलकनी में कुर्सी पर बैठी कृति शहर के सन्नाटे को महसूस कर रही थी। आस पास के फ्लैट्स की बॉलकनी के दरवाजे कस कर बंद पड़े थे। शायद सबको उसका कोरोना पॉजिटिव होना पता चल गया था। इंसानों के बीच आई यह दूरी कितनी पीड़ादायक थी। वह अपने ख्यालों में खोई थी कि रसोई से आती तेज आवाज़ से उसका ध्यान भंग हुआ। वह दीवार का सहारा लेकर कमरे से बाहर निकली। रसोई में वैभव अपना हाथ झटक रहा था। फर्श पर दूध का बरतन पड़ा था जिसमे से भाप उठ रही थी। माजरा समझते उसे देर न लगी वह बेचैनी से चिल्लाई, 'वैभव ठंडा पानी डालो हाथ पर. जल्दी करो वैभव!' 'ठीक है...लेकिन तुम जाओ आराम करो परेशान न हो।' वैभव ने फ्रीज खोलते हुए कहा। 'अभी भी मेरी चिंता कर लो! ठीक हूँ मैं. अपना हाथ दिखाओ।' वह चिल्लाई। वैभव का हाथ लाल हो गया था। 'क्या किया तुमने ये! हाथ से बरतन उठा रहे थे क्या? बरतन गरम है यह तो देख लेते!' कृति गुस्से से बोली। 'मेरी चिंता मत करो.वैसे भी अकेले ही रहना है मुझे।' अपनी हथेली को कृति की हथेलियों से.छुड़ाकर वह बोला। 'तो तुम क्यों चिंता कर रहे थे मेरी! रातदिन मेरे लिए दौड़ रहे हो। मेरे लिए अपनी नींद खो रहे हो। मरने देते मुझे।' कृति की आवाज़ में दर्द था। 'प्यार करता हूँ तुमसे। तुम्हारे लिए तो जान भी दे सकता हूँ!' वैभव न कहा।

'तो क्यों नहीं मुझे रोक लेते!' सुबकते हुए कृति बोली। 'मैंने तो कभी तुमसे दूर होने की कल्पना नहीं की .तुम ही मुझसे नफरत करती हो!' वैभव रसोई के फर्श पर बैठ गया। 'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने सिर्फ यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।

> *'नफरत! तुम...तुम...वो मेघना...मैंने तुम्हें उसके साथ..तुमने मुझे धोखा क्यों दिया वैभव?' तड़प उठी कृति। 'मैं तुम्हें धोखा देने की कल्पना भी नहीं कर सकता। उस रात मेघना को अस्थमा का अटैक आया था। मैं सिर्फ उसे गोद में उठाकर पार्किंग में कार में बिठा रहा था, लेकिन तुमने यही देख मुझ पर शक किया। मेघना को भी अपराधी बना दिया जबकि उस समय खतरे में थी!' वैभव एक साँस में बोल गया।*

कृति खामोश हो नीचे बैठ गई। उसकी आँखों से बहता पानी अपनी गलती का एहसास करा रहा था। वैभव उसके गालों पर आँसू देख परेशान हो गया। 'तुम रो क्यों रही हो कृति! देखो अभी तुम्हारी तबीयत पूरी तरह ठीक नहीं। साँस लेने में दिक्कत हो जायेगी।' वैभव बोला। 'कुछ नहीं होगा मुझे। इस कॉरोना संक्रमण ने मेरे शक के संक्रमण को मार दिया है वैभव। मुझे माफ कर दो मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई। तुम्हें किसी और के करीब देख मेरी चेतना शून्य हो गई थी। मैं ईर्ष्या में गलती कर गई। तुम्हारा अपमान किया तुम पर आरोप लगाए.मुझे माफ कर दो वैभव।' कृति हाथ जोड़कर बिलखने लगी।

'तुम्हारी आँखों में अपने लिए नफरत देख मैं कितना तड़पा हूँ तुम नहीं समझ सकती। अब ऐसे रोकर मुझे और तड़पा रही हो। कैसे सोच लिया था तुमने कि तुम्हारे बिना मैं जिन्दा रह पाता. मर जाता मैं मर जाता।' इतना कहकर वैभव ने कृति को बाँहों में भींच लिया। दोनों के आँखों से बहता पानी प्रेम के सागर को और गहरा करने लगे.अगली तारीख पर अपना फैसला सुनाने के लिए कृति ने वैभव के सीने से लिपट गई। *(समाप्त)*

रागनी | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

झूँठ कपट छल बेईमाने तै हर मानस लाचार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

राजनीति में झूठे नेता बैठे हैं दरबारों म्हैं
प्रजा हित प्रस्ताव गल जाते अखबारों म्हैं
नकली चीज़ बजारों मै,असली पर तकरार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

मन्दिर अन्दर भगवान बणगे देख पुजारी
ईष्ट देव से ज्यादा देखों चेली लाग प्यारी
सत्संग के म्हा रहीं नाच कुंवारी सब तरह सिंगार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कपटी तो सरपंच बेईमान सब पचं बणे
चन्दा करकै खा जाते कई तरह के मचं बणे
ये डिनर कहीं लंच बणे ना खाणे लायक आहार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कुत्ते केसा सुभा आदमी काटण खातर दौड़
सास ससुर देवर जेठ का आज बहु सिर फौड़
महेन्द्र सिंह रागनी जोड़ बिलोट भण्डार मिलै
किस किस तै बच पावोगे सबके हाथ कटार मिलै

कविता | मनीषा मंजरी

वियोग

ये कालिमा कैसी है, जिसमें तारे भी विलीन हो गए हैं,
अँधेरा है ये अंतरिक्ष का या दीये मन के बुझ गए हैं।
इंद्रधनुष है ये कैसा, रंग जिसके मिट गए हैं,
रंगहीनता है ये आकाश की, या रौशनी आँखों से छीन गए हैं।
अम्बर है ये कैसा, विस्तृतता पर जिसके पहरे लग गए हैं,
संक्षिप्तता है ये नीलाम्बर की, या सपने खुद में सिमट गए हैं।
गहराई है ये कैसी, जिसमे सागर उथल गए हैं,
छिछलापन है ये समंदर का या, दर्द पलकों से टपक गए हैं।
ये खामोशी कैसी है, जिसमें शोर सारे हीं थम गए हैं,
शून्यता है ये ब्रह्माण्ड की, या निःशब्दिता से होंठ सिल गए हैं।
ये मेले हैं कैसे, जिसमें एकाकी व्यक्तित्व भटक गए हैं,
अभाव है ये भीड़ का या, दलदल में तन्हाई के रूह धंस गए हैं।
ये खेल है कैसा, जिसमें पराजित से हो गए हैं,
बेवफाई है ये मोहरों की, ये भाव विजय के हमसे मुकर गए हैं।
ये भागमभाग है कैसी, जिसमें कदम ठहर गए हैं,
ठहराव है ये सफर का या, विरक्त शख्सियत से हम हो गए हैं।
ये विरह है कैसा, जिसमें चेहरे तक बादलों के हो गए हैं,
इंतजार है ये अनंत का या अनन्तता में यादों की हम बिखर गए हैं।

कहानी | रविंद्र बत्रा

दस रुपये

सब्जी लेने जैसे ही रमन उस मार्केट में पहुंचा, देखा एक पहलवान टाइप लड़का एक सब्जी वाले की रेहड़ी को उल्टाने की कोशिश कर रहा था। सब्जीवाला भी उसे चुनौती देते हुए कह रहा था, उल्टा दो, सड़क के बीच में उल्टा दो। रेहड़ी पर आलू, प्याज और टमाटर थे। जाहिर है रेहड़ी के उलटने से काफी नुकसान होना था। दोनों का अहम अपनी चरम सीमा पर था। पहलवान लगभग रेहड़ी को उल्टाने ही वाला था। रमन आमतौर पर दब्बू किस्म का आदमी था बस अपने काम से काम रखना। जहां बच सके, दो पैसे बचाना। कभी-कभी वह एक कप चाय भी इसलिए नहीं पीता था, कि दस रुपये बच जाएंगे और बच्चों के काम आएंगे, पर पता नहीं क्या सोचकर रमन एक क्षण के लिए वहां खड़ा हो गया। अपने कमजोर शरीर और पहलवान की कद-काठी से डरते-डरते भी, उसका हाथ पकड़ लिया और बोला, 'मुझे तुमसे बात करनी है।' पहलवान थोड़ी अकड़ दिखाते हुए बोला, 'यही बताओ, जो बताना है।' रमन उसके कान के पास जाकर धीरे से बोला, 'क्यों किसी गरीब आदमी की आह लेते हो। क्या बात हो गई। इसमें कोई गलती की है तो मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं।' पहलवान बोला, 'मुझसे बदतमीजी से बात कर रहा था। एक तो मेरी दुकान के आगे रेहड़ी लगाई हुई है, ऊपर से दस रुपये कम करने के लिए कहा तो बकवास भी कर रहा है।' रमन बोला, 'मैं इसकी तरफ से माफी मांगता हूं, कोई बात नहीं। गरीब आदमी है। उसकी बद्दुआ मत लो।' पहलवान के कान में बात करते हुए रमन ने महसूस कर लिया, उसने शराब भी पी रखी है। एक पहलवान ऊपर से शराब का उन्माद। उलझने में पिटने का खतरा भी हो सकता था। रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'भैया ऐसा करो इसकी दुकान के आगे से रेहड़ी हटा लो। मैं कहीं और लगवा देता हूं।' रमन उसकी सब्जी की रेहड़ी को पीछे कर रहा था, तभी पहलवान ने इशारे से रमन को अपने पास बुलाया। रमन के सारे शरीर में किसी अनहोनी की आशंका से सिरहन दौड़ गई। रमन जैसे ही उसके पास पहुंचा वह पहलवान उसकी तरफ थोड़ा झुकते हुए बोला, 'मेरा सामान उसके पास तुला पड़ा हैं। यह लो सौ रुपये वह अस्सी मांग रहा है, मैं साठ कह रहा हूं। जितने ले दे देना।' रमन ने रेहड़ी वाले से पूछा, 'कितने का सामान है बोला अस्सी का है, सत्तर दे दो।' रमन बोला, 'वह साठ कह रहा है, आप साठ ही काट लो। पागल सा लग रहा है, शराब भी पी रखी है। अगर आपको घाटा हो रहा है तो दस रुपये मुझसे ले लेना।' रेहड़ी वाले ने साठ रुपये काटकर बाकी पैसे रमन को लौटा दिए। रमन ने सब्जी की थैलियां और पैसे लिए और पहलवान को पकड़ा दिए। अचानक वह पहलवान रमन के पैरों की तरफ झुक गया और पैर छूते हुए बोला 'सॉरी'। अचानक हुई इस घटना से अचंभित रमन की आंखें भीग गई। इधर इस दौरान इस सब्जी वाले की रेहड़ी की जगह पर किसी अन्य रेहडी वाले ने अपनी रेहड़ी लगा ली। रमन ने उससे अनुरोध किया, 'भैया आप रेहड़ी को थोड़ी परे कर लो, इसको यहां लगाने दो। इसकी रेहड़ी यही लगी हुई थी। झगड़ा हो रहा था तो मैंने इसे पीछे करवाया था।' हालांकि वहां दोनों रेहड़ियों की जगह बन सकती थी, लेकिन अब आया रेहड़ी वाला, अपनी रेहड़ी को साइड में करने को तैयार नहीं था। तभी थोड़ी दूर खड़ा हुआ पहलवान आया और इस नए रेहड़ी वाले को बोला, 'अबे! उसको रेहड़ी लगाने दे यहां। मैंने हटवाई थी। यह मेरी दुकान के आगे की जगह है। यह कहते-कहते उसने खुद ही अपने हाथों से उसकी रेहड़ी को वहां जगह बनाकर लगा दिया। पहलवान के जाने के बाद रमन ने सब्जी वाले से कहा, 'मुझे एक किलो आलू दे दो और सुनो अगर तुम्हें घाटा हुआ है तो मेरे पैसो में से दस रुपये काट लो।' सब्जी वाले ने आलू दिए और रमन के पैसों में से दस रुपये ज्यादा काट लिए। जब रमन घर की तरफ जा रहा था उसके मन में अजीब सा द्वंद था। एक पहलवान था, जो अपनी गलती मान कर उसके पैर छूकर गया था। एक सब्जी वाला था, जिसकी रेहड़ी पलटने से रमन ने बचाया था और जिसने एक बार भी यह नहीं कहा की यह दस रुपये रहने दो, जो आप अपनी जेब से दे रहे हो। कौन सही था, कौन गलत फैसला करना बहुत मुश्किल था।

साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य पथ-प्रदर्शक भी है। आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं। इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलू है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

सामाजिक संस्कारों में साहित्य की अहम भूमिका: राजश्री

साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं से समाज को नई दिशा देते आ रहे हैं। गद्य व पद्य दोनों ही शैलियों में साहित्य सृजन करने वाले साहित्यकारों में हर किसी लेखक का ध्येय यही है कि उनकी रचनाएं समाजिक बुराइयों को उजागर करके समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। सामाजिक रीति रिवाज और संस्कृति के साथ संस्कारों को संजोने वाले ऐसे साहित्यकार और लेखकों में हरियाणा की महिला रचनाकार भी पीछे नहीं हैं। ऐसी ही महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। रचनाकार और कवयित्री राजश्री गौड़ ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिससे साहित्य के बिना सामाजिक संरचना अधूरी है।

राजश्री का जन्म पलवल जिले की तहसील हथीन में 24 नवम्बर, 1956 को एक शिक्षित और समृद्ध परिवार पं. चिन्तामणि पाराशर व जय देवी के घर में हुआ। उनके बाल्यकाल के दौरान ही उनका संयुक्त परिवार सोनीपत में आकर बस गया, इसलिए उनकी पूरी शिक्षा दीक्षा सोनीपत में ही हुई। उनके पिता कुश्ती, कबड्डी व वालीबॉल के खिलाड़ी थे, लेकिन दादा के देहावसान के कारण उन्हें पैतृक काम ज्वैलरी और जवाहरात का बिजनेस संभालना पड़ा। राजश्री की प्रारंभिक शिक्षा आर्या गर्ल्स स्कूल में हुई और उन्होंने हिन्दू गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत से बी.ए. और बीएड किया। इसके बाद एम.ए. (हिन्दी) में दाखिला लिया, लेकिन किन्हीं कारणों से पूरी नहीं हो सकी। अपने शिक्षित परिवार में उन्होंने दादी को गीता और रामायण तथा माँ को भजन गुनगुनाते घर के काम करते देखा, तो वहीं उनके पिता का साहित्य से बहुत लगाव था, जो हमेशा सोने से पहले शरतचंद्र, बिमल मित्र व मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास पढ़ते थे। वहीं घर में पत्र पत्रिकाएं भी आती थी, जिनमें से पिताजी उन्हें कविताओं को कंठस्थ कराते थे और शनिवार को स्कूल में होने वाली बालसभाओं में वह कविताएं सुनाती थी। ऐसे में साहित्य के प्रति रुचि स्वाभाविक ही था। मसलन बचपन में ही उन्होंने रचनाओं के रूप में लेखन कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि वास्तविक रूप से उनका लेखन कार्य कालेज की शिक्षा के दौरान साल 1972 से शुरू हुआ और कालेज की मैगज़ीन में उनकी कविता छपी, जबकि भोपाल से प्रकाशित एक अखबार में 20 जनवरी 1984 को गणतंत्र दिवस परिशिष्ट में उनकी कविता छपी तो उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक था, लेकिन नवंबर 1978 में विवाह के बाद परिवार की जिम्मेदारी सर्वोपरि रही और लेखन नगण्य सा हो गया। बाद में पति व बच्चों के प्रोत्साहित करने पर फिर लेखन कार्य ही शुरु नहीं किया, बल्कि कुछ सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ गई।

राजश्री गौड़ का आधुनिक युग में हिन्दी साहित्य के महत्त्व और उपयोगिता को लेकर कहना है कि आरंभ में जहां पद्यात्मक शैली में साहित्य की रचनाएँ की गई, जिसके बाद बदलते समय-काल के अनुसार काव्य, गद्य में कहानी, एकांकी, लेख, उपन्यास लघुकथा और राष्ट्रवादी रचनाओं में राजनीतिक प्रभाव नजर आने लगा है। इसके बावजूद आज भी स्वस्थ साहित्य का विशेष स्थान है और रहेगा। इसका कारण है कि साहित्य की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण और पथ-प्रदर्शक भी है। बेशक आज साहित्यिक पुस्तकें कम पढ़ी जाती हैं, लेकिन पाठक कम नहीं हैं। इस इंटनेट और सोशल मीडिया के युग में अपनी पसंद से पाठक ऑनलाइन साहित्य पढ़ते हैं, जो सामाजिक दृष्टि से सकरात्मक पहलु है। यह भी सच है कि सोशल साइट्स पर साहित्य के अलावा देश दुनिया की बहुत सारी चीजें, मिल जाती हैं। इस आधुनिकीकरण की दौड़ में संस्कृति और संस्कारों में कमी होती नजर आ रही है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को साहित्य के प्रति स्कूल व कालेज स्तर पर भी प्रेरित करने की ज्यादा जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला साहित्यकार राजश्री गौड़ की प्रकाशित 15 पुस्तकों में 12 साझा संग्रह और 3 एकल काव्य-संग्रह शामिल हैं। उनके काव्य संग्रह में 'धनक', ग़ज़ल-संग्रह 'तुमको भुलाया कहाँ है' और 'मत कहो जिन्दगी थमी है' शामिल है। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशन हेतू पांडुलिपि तैयार है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना काल में ई काव्य संकलन भी लिखा, वहीं ई-लघुकथा संकलन में हरियाणा के प्रमुख लघुकथा कार भी शामिल है। इसके अलावा उनकी पुस्तकों की लेखन विधा में कविता, ग़ज़ल, लेख, व्यंग्य लेख, लघुकथा, कहानी, बाल कविताएं भी शामिल हैं। कविता-कोश, साहित्य-पीडिया, क़ागज-दिल.कॉम पर भी उनकी रचनाएं उपलब्ध हैं।

राजश्री गौड़

पुरस्कार व सम्मान

राजश्री गौड़ को हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी, भोपाल द्वारा तीन बार सम्मानित किया जा चुका है। प्रमुख रूप से उन्हें नारी गौरव सम्मान, श्रेष्ठ हिन्दी रचनाकार सम्मान, प्रेम-काव्य सम्मान, भारत के प्रतिभाशाली रचनाकार सम्मान, साहित्य-शिरोमणि सम्मान, सिद्धि साहित्य सम्मान, जैमिनी अकादमी सम्मान, भारत गौरव सम्मान के अलावा अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण मंच, जिया साहित्य मंच बैंगलोर, हिन्दी प्रचार प्रसार साहित्य अकादमी भोपाल, कागज-दिल साहित्य संस्था और जैमिनी साहित्य अकादमी पानीपत आदि साहित्यिक मंचों से पुरस्कार के साथ सम्मानित किया जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: राजश्री गौड़
जन्मतिथि: 24 नवम्बर, 1956
जन्म स्थान: हथीन, जिला पलवल(हरियाणा)
शिक्षा: बीए, बीएड (हिंदू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत)
सम्प्रति: समाज सेवा, स्वतंत्र लेखन
संपर्क: सेक्टर-15, सोनीपत हरियाणा।

साहित्य एवं साहित्यकारों से रूबरू कराती पुस्तक

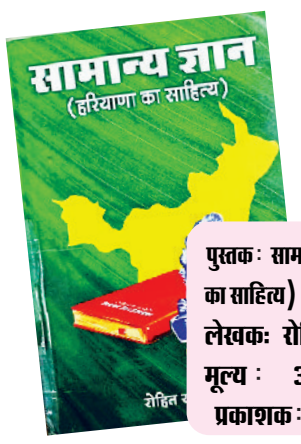

पुस्तक : सामान्य ज्ञान (हरियाणा का साहित्य)
लेखक: रोहित यादव
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक : अनिल प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

जिस तरह से अध्यापक बच्चों को पढ़ाकर शिक्षा की लौ जगाता है और देश का भविष्य गढ़ता है, उसी तरह से साहित्यकार भी अपना दायित्व निभाता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से समान को नई दिशा देता है। साहित्यकार अपनी रचनाओं से नई सोच का भी सृजन करता करता है।

समाज के प्रति अपनी यह जिम्मेदारी रोहित यादव ने बखूबी निभाई है। यूं तो उन्हें साहित्य की हर विधा में महारत हासिल है। रोहित यादव की हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं में अब तक पाँच दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैंदोहा, कुंडली, कविता, कहानी और लघुकथा समेत हर विधा में अपनी लेखनी से साहित्य को समृद्ध किया है, लेकिन यह पुस्तक अपने आप में नया प्रयोग है।

रोहित यादव की पुस्तक सामान्य ज्ञान (हरियाणा साहित्य) प्रदेश के साहित्य और साहित्यकारों से रूबरू करवाती है। यह वास्तव में अनुपम कृति है। पुस्तक को प्रश्नोत्तर की शैली में तैयार किया गया है। इसमें लगभग साढ़े 800 प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। साहित्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए उनकी हर जिज्ञासा को शांत करती नजर आती है यह पुस्तक।

रोहित यादव का प्रशोत्तर के रूप में पुस्तक को प्रकाशित करने का विचार भी अलग है। इतना ही नहीं लोक साहित्य और साहित्यकारों का उल्लेख ही नहीं किया है बल्कि उनकी कृतियों से भी परिचित करवाया है जो पुस्तक को और विशेष बनाता है। जैसा कि स्वयं लेखक ने भी अपनी पुस्तक में उल्लेख किया है। हरियाणवी प्रादेशिक साहित्य एवं साहित्यकारों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार करना, वर्तमान युवा पीढ़ी को इस स्पृहणीय स्थिति से अवगत कराना, शोध एवं समीक्षा के क्षेत्र हेतु आधार सामग्री उपलब्ध कराना, प्रतियोगी परीक्षार्थ रोचक, दुर्लभ व मौलिक साहित्यिक जानकारी प्रदान करना उपन्यस्त संकलन का ध्येय है।

यह कृति केवल युवा विद्यार्थियों और शोधार्थी छात्रों के लिए ही नहीं वरन कुछ साहित्यकारों के लिए भी उपयोगी साबित होगी जो कुछ तथ्यों को कदाचित भूल गए होंगे। उन्हें लेखक ने पुस्तक में प्रकाशित करके फिर से उनकी स्मृति पटल पर ला दिया है।

पुस्तक की भाषा शैली चिर परिचित अंदाज में सहज एवं सरल है। महत्वपूर्ण सामग्री के चलते पुस्तक संग्रहणीय बन पड़ी है।

खबर संक्षेप

श्री बालाजी धाम से मेहंदीपुर बालाजी बस यात्रा रवाना

रोहतक। भिवानी रोड स्थित श्री बालाजी धाम डोभ से मेहंदीपुर बालाजी के लिए दो बसें रवाना हुई। मंदिर संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि प्रत्येक महीने के अंतिम शनिवार को बलराज सिंह कुंडू विधायक महम के सौजन्य से दो बसे मेहंदीपुर बालाजी भेजी जाती हैं।

सात दिवसीय योग शिविर संपन्न हुआ

रोहतक। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा केशव पार्क में चल रहे सात दिवसीय योग शिविर का समापन हो गया। जिसमें सर्वांइकल के उपाय, अलोम विलोम, भंवरी प्राणायाम, शीतल प्राणायाम, कंधों, कमर आदि अंगों को स्वस्थ रखने के आसनों का अभ्यास योग शिक्षक तन्वी के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि योग अभ्यास शरीर को स्वस्थ बनाता है क्योंकि यह हमें रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। इसलिए रोजाना योग करना चाहिए। योगाचार्य तन्वी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मालगाड़ी की चपेट में आने से एक घायल

बहादुरगढ़। आसौदा रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति माल गाड़ी की चपेट में आ गया। गनीमत रही कि गार्ड ने एमरजेंसी ब्रेक लगवा दिए अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घायल को आरपीएफ के जवान ने संभाला। इस बीच व्यक्ति के घर वाले भी मौके पर पहुंचे और उसे उपचार के लिए शहर के नागरिक अस्पताल में ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया है। घायल की पहचान राजेश के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार की सुबह राजेश नाम का शख्स रेलवे ट्रैक क्रॉस कर रहा था कि अचानक माल गाड़ी बैक हुई तो वह उसकी चपेट में आ गया। इस पर गार्ड की नजर पड़ी तो उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगवाए। इस दुर्घटना में राजेश बुरी तरह से जख्मी था। उसे आरपीएफ के जवान ने संभाला।

अवैध हथियार सहित युवक किया गिरफ्तार

बहादुरगढ़। पुलिस की अपराध जांच शाखा द्वितीय ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। दरअसली, सीआईए की टीम आसौदा क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान टीम को सूचना मिली कि नवीन नाम का एक शख्स रोहतक रोड पर फ्लाईओवर के नीचे मौजूद है। उसके पास हथियार हो सकता है। इस सूचना पर टीम वहां गई और शक के आधार पर तलाशी ली। इस दौरान उसके पास देशी पिस्तौल बरामद हुई। एक जिंदा कारतूस भी मिला। आरोपी को काबू कर लिया गया। वह आसौदा का रहने वाला है। उस पर पहले भी आपराधिक मामला दर्ज है।

बाल पुरस्कार के लिए नामांकन 31 जुलाई तक

बेरी। एसडीएम रविंद्र मलिक ने बताया कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे जिनकी आयु 31 जुलाई को 5 वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2025 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

सड़क हादसे में राहगीर की मौत, शिनाख्त नहीं

बहादुरगढ़। गांव बालोर में गाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवाकर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। एक राहगीर की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। घटना रविवार की है। बालोर के निकट सड़क से एक राहगीर गुजर रहा था। इसी दौरान एक तेज रफ्तारी गाड़ी ने उसको टक्कर मार दी। इस हादसे में उसे गंभीर चोट आई और मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची।

शहीद स्मारक पर दादा भाई नारौजी की 107वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह

भारतीय राजनीति के पितामह थे दादाभाई नौरोजी : जयनारायण

■ नारौजी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

शहर के पुराना बस अड्डा स्थित शहीद स्मारक पर रविवार को दादा भाई नौरोजी की 107वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने दादा भाई नारौजी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके नमन किया।

मुख्य वक्ता गोपाल कृष्ण गौशाला के संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष जय नारायण गुप्ता ने कहा कि दादा भाई नौरोजी भारतीय राजनीति के पितामह कहा जाता है। वे प्रख्यात राजनेता, उद्योगपति, शिक्षाविद और विचारक थे। उनको ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है।

उन्होंने भारत के राजदूत के रूप में भी काम किया। दादा भाई नारौजी ने ही सबसे पहले देश को स्वराज्य का नारा दिया। श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के निदेशक डॉ. सुरेश सेतिया ने की और संयोजन आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी का रहा। दांगी ने कहा कि दादा भाई नारौजी ने 1856 में लंदन इंडियन सोसाइटी और 1867 में ईस्ट इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की। 30 जून 1917 को 91 वर्ष की आयु में मुंबई में उनका निधन हो गया।

समारोह में राधेश्याम बुद्धिराजा, सुल्तान सिंह, रमेश मेहता, हर भगवान चोपड़ा, सतवीर पौड़िया, अनिरुद्ध सहरावत, विशाल चहल, सोनू शर्मा उधम सिंह व सुभाष शर्मा मौजूद रहे।

गोहाना। दादा भाई नारौजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए नागरिक।

भगत सिंह युवाओं के आदर्श : जैन

सोनीपत। पूर्व मंत्री कविता जैन ने कहा कि शहीद-ए-आजम भगत सिंह युवाओं के आदर्श एवं प्रेरणा स्रोत हैं। उनके नाम के उद्घोष से ही युवा देश की आन-बान-शान के लिए मर मिटने को तैयार हो जाते हैं। इसलिए उन्हें व उनके साथी राजगुरु, सुखदेव को शहीद का दर्जा मिलना ही चाहिए। पूर्व मंत्री कविता जैन ने दिल्ली कैंप में रविवार को नवनिर्मित भगत सिंह चौक का उद्घाटन एवं उनकी मूर्ति का लोकार्पण के दौरान लोगों को संबोधित किया। उनके साथ भाजपा नेता राजीव जैन, पार्षद बबीता कौशिक व त्रिभुवन कौशिक ने चौक का उद्घाटन किया। चौक का निर्माण महाराणा प्रताप युवा समिति के निवेदन पर मंत्री कोटे से मंजूर राशि से करवाया गया है। शिव बरात घर एवं धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम में राजीव जैन ने कहा कि शहीद सम्मान समिति के माध्यम से भगत सिंह को शहीद का दर्जा दिलाने का अभियान जारी रहेगा। इसके लिए सभी को एक स्वर से मांग उठानी चाहिए। इस दौरान समिति प्रधान अजीत सिंह, महासचिव सुभाष, योगी कर्णनाथ, पार्षद सुरेंद्र मदान, मुकेश सैनी, इंदू वलेचा, महेश लूथरा, मंडल अध्यक्ष मुकेश बत्रा, नरेश वर्मा, पूर्व पार्षद राजेंद्र चांदना, जवाहर बत्रा, संजीव वलेचा, त्रिभुवन कौशिक, गोरक्षा दल से मंजीत दहिया, सुरेश कथूरिया, अनिल ठाकुर, अनुज छाबड़ा, वासुदेव सुखीजा, अनिल ग्रोवर, राजकुमार शर्मा भी उपस्थित रहे।

अधिक से अधिक पौधे लगाने को किया प्रेरित

सोनीपत। पौधरोपण करते सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार शर्मा व जनहित अभियान फाउंडेशन के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जनहित अभियान फाउंडेशन ने अभियान चलाकर लगाए 30 पौधे

जनहित अभियान फाउंडेशन की ओर से श्रीराम रेजिडेंसी में पौधरोपण अभियान चलाया गया।

मुख्यातिथि के रूप में राजकुमार शर्मा ने पौधा रोपकर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने बारिश के मौसम में सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि पौधरोपण के बाद पेड़ बनने तक हमें उनकी देखभाल भी करनी चाहिए। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि अभियान के तहत रविवार को 30 पौधे लगाए गए। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता दिलबाग सिंह, पूर्ण सिंह, संजय सिंह, धर्मेंद्र, मास्टर सत्यवान दहिया, राजेश, विकास, युधिष्ठिर, मोहनलाल, कृष्ण, अनिल कुंडू, अनिल पंडित, सुरेश पंडित, संदीप, रामकुमार शर्मा, रमेश, पवन पटवारी, जयकिशन मलिक, विकास व सुदेश रानी मौजूद रही।

लोस चुनाव खर्च को लेकर प्रत्याशियों की आपत्तियां जमा

■ डीसी व एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर ने की आपत्तियों पर सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मनोज कुमार व एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर अविजीत रक्षित ने प्रगति हॉल में लोकसभा चुनाव खर्च को लेकर प्रत्याशियों की आपत्तियां प्राप्त की। उन्होंने खर्च कमेटी की ओर से निर्धारित प्रत्याशी का खर्च ब्योरा और प्रत्याशी पेश किए खर्च ब्योरा का मिलान किया। दोनों अधिकारियों ने प्रत्याशी की ओर से दी गई आपत्तियों के बारे में सुनवाई करते हुए कमेटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसका दोबारा सही मिलान करें, अगर यह आपत्तियां सही है तो इसे ठीक करना सुनिश्चित करें।

खर्च कमेटी के नोडल अधिकारी एवं आरटीए सचिव डॉ. संजय ने बताया कि सोनीपत लोकसभा से सात उम्मीदवार ऐसे हैं, जिन्होंने अपना खर्च रजिस्टर जमा नहीं करवाया है। उसे संपर्क किया जा चुका है। वह जल्द अपना खर्च रजिस्टर जमा करवाएंगे। इसके अलावा 13 ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने अपना खर्च रजिस्टर जमा करवा दिया है और कमेटी व प्रत्याशी की ओर से किया गया खर्च मिलान हो चुका है। उनका खर्चा भारत निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा उम्मीदवार के लिए निर्धारित की गई सीमा से कम है।

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद अधिकारीगण एवं अन्य।

उपायुक्त एवं एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर ने सभी आपत्तियों की सुनवाई करते हुए बताया कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत प्रत्याशियों को चुनाव परिणाम घोषित होने के एक माह के अंदर अपने चुनावी खर्च का ब्योरा कमेटी के समक्ष जमा करना होता है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार तय समयावधि में चुनावी खर्च का ब्योरा न देने वाले उम्मीदवारों को भविष्य में चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस उम्मीदवार ने अपना खर्च रजिस्टर खर्च कमेटी को जमा नहीं करवाया है, वह 4 जुलाई तक अपना खर्च रजिस्टर अवश्य जमा करवाएं।

इस दौरान एक्सपेंडिचर ऑब्जर्वर मेहता मनीष महेंद्रा कुमार, डीईटीसी सेल टैक्स नीलरत्न, वरिष्ठ लेखाधिकारी संजीव दहिया भी मौजूद रहे।

बच्चों ने सीखा कलाकृतियां बनाना

■ राजकीय विद्यालय गढ़ी ब्राह्मण में टाबर उत्सव आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मण में 30 दिवसीय टाबर उत्सव का सफल समापन हुआ। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया और खंड शिक्षा अधिकारी सोनीपत मंजू गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विद्यालय के प्राचार्य अतुल खट्टर ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि यह उत्सव ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान 1 जून से 30 जून तक राज्य के 22 जिलों के 22 स्कूल में लगाया गया था। जिसमें बच्चों ने पूरी मेहनत के साथ कलाकृतियां बनानी सीखी। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया और खंड शिक्षा अधिकारी मंजू गर्ग ने बच्चों द्वारा बनायी गयी विभिन्न कलाकृतियां देखी और उनकी सराहना की।

कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. सुमन लता ने किया। इस अवसर पर कलाकार सीता, गायत्री, अध्यापक सीमा, जगबीर, भूपेंद्र, सुमन, प्रीति, ऋतु, सीमा, मीनाक्षी, दीपक, पंकज, मीना, आरती आदि सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

सोनीपत। जिला शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी कलाकृतियों का निरीक्षण करते हुए।

जनसंपर्क अभियान...

खरखौदा। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष जगदीश चहल राठधना ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। इस कड़ी में वे रविवार को खरखौदा विधानसभा क्षेत्र के गांव छिनौली पहुंचे। उन्होंने जहां कांग्रेस पार्टी की नीतियों का प्रचार प्रसार किया, वहीं आगामी चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया। इस दौरान राठधना की पूर्व सरपंच इन्दू चहल, मास्टर मोहर सिंह श्योराण, पंडित बलवान आदि उनके साथ मौजूद रहे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी में दो आरोपी गिरफ्तार

झज्जर। पुलिस की एक टीम द्वारा महिला के साथ हुई ऑनलाइन धोखाधड़ी मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि बहादुरगढ़ निवासी एक महिला ने शिकायत देते हुए बताया था कि वह दिल्ली में नौकरी करती है। तीन अक्टूबर 2023 मेरे मोबाइल पर एक लिंक आया था। जिस लिंक के माध्यम से मेरे साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई। शिकायत के आधार पर कार्यवाई करते हुए मामला दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य सिपाही मनीषा की टीम ने एक आरोपी हेमंत निवासी मंगल कॉलोनी करनाल को राजस्थान से गिरफ्तार करके स्थानीय अदालत में पेश किया। जहां से आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया।

सांसद जांगड़ा ने 3905 को पेंशन सर्टिफिकेट दिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा रविवार को डॉ. बीआर अम्बेडकर एवं मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना एवं विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण समारोह में नए लाभार्थियों को जिला विकास भवन में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में योजनाओं के लाभ का सर्टिफिकेट वितरित किया गया। सांसद रामचंद्र जागड़ा ने वृद्धाव्यवस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, अविवाहित एवं विधुर पेंशन योजना के तहत जिला के तीन हजार 905 लाभार्थियों और डॉ.बीआर. अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के 116 लाभार्थियों को सर्टिफिकेट वितरित किए। इस मौके पर सांसद ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने योजनाओं को ऑनलाइन करके पात्र पेंशन धारकों को ही पेंशन देने का काम किया है। इससे पूर्व कांग्रेस सरकार में 40 वर्ष आयु का व्यक्ति बुढ़ापा पेंशन ले रहा था जबकि 80 साल का बुजुर्ग बुढ़ापा पेंशन के लिए दर-बदर भटकता था। भाजपा सरकार जब 2014 में सत्ता में आई थी तब बुढ़ापा पेंशन मात्र एक हजार रूपए थी और आज यह तीन हजार रुपये हो चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सिस्टम को लगातार दुरुस्त कर रहे हैं। अंबेडकर आवास योजना के तहत कांग्रेस सरकार गरीब लोगों को प्लाटों के कब्जे नहीं दिलवा पाई, लेकिन यह काम मौजूदा भाजपा सरकार ने करके दिखाया है और गरीब लोगों को उनके प्लाट देने का काम किया है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन मंजू हुड्डा, सीईओ जिला परिषद महेश कुमार, एसडीएम आशीष कुमार, नगराधीश अंकित कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा, जिला कल्याण अधिकारी रेनू सिसोदिया, भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका,भाजपा महामंत्री आशा शर्मा, महंत सतीशदास, पूर्व पार्षद सुरेश किराड़ सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थी उपस्थित थे।

जिन गांव में सरकारी जमीन नहीं है, वहां के पात्र परिवारों को जमीन के बदले एक लाख रुपए की नगद राशि देने की घोषणा मुख्यमंत्री नायब सिंह द्वारा की गई है। सांसद ने जिला स्तर पर लगभग 2500 लोगों को बुढ़ापा पेंशन, 600 को विधवा पेंशन, 200 लोगों को विकलांग पेंशन व 605 विदुर को सर्टीफिकेट दिए गए। इस अवसर पर पानीपत में हो रहे मुख्यमंत्री नायब सिंह के राज्य स्तरीय समारोह का लाइव टेलीकास्ट वेब लिंक से जिला स्तर पर भी प्रसारित किया गया। राज्यसभा सांसद जांगड़ा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने संविधान और आरक्षण को खत्म करने की अफवाह फैलाई, लेकिन उनकी यह चाल सफल नहीं हो पाई। हालांकि सीट जरूर कम हुई लेकिन पांच प्रतिशत वोट ज्यादा मिले। कांग्रेस ने 8500 रुपये के कूपन देने व एक लाख रुपये देने के फार्म भरवा कर लोगों को गुमराह किया। फॉर्म भरने वाली महिलाएं अब कांग्रेस के दफ्तरों के चक्कर काट रही हैं और कांग्रेस कार्यालयों पर प्रदर्शन कर रही हैं।

कार्यकर्ता सम्मेलन में गरजे सांसद दीपेंद्र हुड्डा

विस चुनाव भाजपा व जनता के बीच होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने गढ़ी सांपला किलोई, कलानौर और महम विधानसभा क्षेत्र के धन्यवाद कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की। दीपेंद्र ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव सरकार और देश के संविधान के बीच था और इसमें संविधान जीत गया।

अब हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा सरकार और हरियाणा की जनता के बीच होगा, जिसमें जनता जीतेगी। दीपेंद्र हुड्डा ने लोकसभा चुनाव में जीत का श्रेय इलाके की 36 बिरादरी के मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को दिया। रोहतक की नई अनाज मंडी में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ी भीड़ से गदगद सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि प्रदेश की जनता ने बदलाव की तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने अभी भी जनादेश से सबक नहीं लिया और अहंकार व तानाशाही पर उतारू हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने भाजपा को चेतावनी देकर कहा कि जनता ने लोकसभा में किया हाफ, विधानसभा में करेगी साफ। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि इंडिया गठबंधन को देश के सभी 28 प्रदेशों की तुलना में सबसे ज्यादा मत प्रतिशत 47.6 प्रतिशत हरियाणा में मिला। इस अवसर पर विधायक भारत भूषण बतरा, विधायक शकुंतला खटक, पूर्व मंत्री आनंद सिंह दाँगी, प्रो. वीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक संत कुमार, चक्रवर्ती शर्मा, आईएमए रोहतक के अध्यक्ष डॉ. रविन्दर हुड्डा, डॉ. अनिल बिरला, डॉ. अर्जुन नरूला, डॉ. रवींद्र चौधरी, डॉ. एस.एल. वर्मा, डॉ देवेन्द्र सांगवान आदि मौजूद रहे।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हरियाणा की जनता ने बीजेपी के एजेंडे को नकारने का काम किया है। आज बीजेपी के शासनकाल में हरियाणा बेरोजगारी, महंगाई, अपराध, भ्रष्टाचार, नशे और हर वर्ग के अपमान और जनता की अनसुनी करने में सबसे आगे है। इससे पहले सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने डॉक्टर्स डे पर मदनलाल धींगरा कम्यूनिटी सेंटर में आईएमए रोहतक द्वारा आयोजित कार्यक्रम समेत रोहतक के करीब आधा दर्जन कार्यक्रमों में शिरकत की। हरियाणा को स्वास्थ्य सेवा का हब बनाने के लिए उन्होंने यूपीए सरकार के समय काफी प्रयास करके बाढ़सा एम्स-2, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के अलावा राष्ट्रीय स्तर के 10 और संस्थान मंजूर कराए। कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने 6 नए मेडिकल कॉलेज बनवाए और भिवानी, महेन्द्रगढ़ में 2 मेडिकल कॉलेजों को मंजूर किया। लेकिन पिछले 10 वर्षों में बाढ़सा एम्स परिसर के मंजूरशुदा 10 संस्थानों का काम एक इंच आगे नहीं बढ़ा।

रोहतक। पहरावर रोड स्थित ओशोधारा मैत्री संघ के मेडिटेशन सेंटर में ध्यान में साधक।

साधक को सदा निरहंकारिता में रहना चाहिए : सिद्धार्थ औलिया

रोहतक। पहरावर रोड स्थित ओशोधारा मैत्री संघ के मेडिटेशन सेंटर ताज गार्डन में ध्यान सत्र आयोजित किया गया। आचार्य अनहद ने विपश्यना ध्यान के माध्यम से साधकों को ध्यान की गहराई में डुबोया। जिला समन्वयक डॉक्टर परमवीर फौगाट ने कर्नल आरके हुड्डा, एडवोकेट सतपाल हुड्डा एवं रेखा रानी को ओशोधारा मैत्री सिंह रोहतक का नया सदस्य बनाया। वहीं धर्म चक्र सत्संग के 157वें एपिसोड में ओशोधारा के केंद्रीय कोऑर्डिनेटर आचार्य दर्शन ने समर्थ गुरु सिद्धार्थ औलिया की दिव्य उपस्थिति में उनके द्वारा लिखी गई पुस्तक दीवाने-मुर्शिद के माध्यम से साधकों को सदा रामरस पीने एवं सुमिरन में रहने की कला सिखाई। उन्होंने बताया कि परमात्मा का बोधक तत्व ओंकार है और साधक को सदा निरंहकारिता में रहना चाहिए। इस अवसर पर आचार्य नमृता पांडे नेपाल, विदुषी, अरुणिमा, जसवीर कौर, प्रियंका, सुशील, दलबीर सिंहमार, गगन, आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

60 लोगों ने किया रक्त का दान

सोनीपत। सत श्री जिंदा कल्याणा हनुमान मंदिर दिल्ली रोड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मां भारती रक्तवाहिनी द्वारा लगाए गए शिविर में 60 लोगों ने रक्तदान किया। संस्था संरक्षक पूर्णमल गौड़ ने रक्तदाताओं व संस्था का हौंसला बढ़ाया। डॉ. भानु शर्मा के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल सोनीपत व जिला रेडक्रॉस के सौजन्य से शिविर का आयोजन हुआ।

योजनाओं के लाभार्थियों को वितरित किए लाभ पत्र

सोनीपत। नए लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना तथा डॉ० बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना का लाभ पहुंचाने के लिए रविवार को पंचायत भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गन्नौर से विधायक निर्मल चौधरी ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस दौरान विधायक ने कार्यक्रम में इन सभी योजनाओं के नए लाभार्थियों को लाभ पत्र देते हुए उन्हें योजनाओं से जुड़ने के लिए शुभकामनाएं दी।

आज से खुलेंगे स्कूल तो विद्यार्थियों को मिलेगी परिवहन सुविधा

शिक्षा विभाग के पायलट प्रोजेक्ट विद्यार्थी परिवहन योजना की शुरूआत आज से

- शिक्षा विभाग का पायलट प्रोजेक्ट है विद्यार्थी परिवहन योजना, गोहाना खंड का हुआ था चयन
- शिक्षा विभाग वहन करेगा किराया, दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों को दी जाएगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले उन बच्चों को अब परेशान होने की जरूरत नहीं है, जिन्हें स्कूल जाने के लिये लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। शिक्षा विभाग के पायलेट प्रोजेक्ट विद्यार्थी परिवहन योजना की शुरूआत आज से की जा रही है। योजना के तहत शिक्षा विभाग ने दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए परिवहन की सुविधा दी है। इस योजना को ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद सोमवार से स्कूल खुलने के साथ ही लागू की जाएगी। हालांकि शुरूआती चरण में पायलट प्रोजेक्ट के तहत गोहाना खंड का ही चयन किया गया है। शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही योजना को अन्य खंडों में भी लागू कर दिया जाएगा। योजना को सिरे चढ़ाने के लिए विभाग द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

शिक्षा विभाग ने राजकीय स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत से पूर्व प्रवेश उत्सव मनाया था। शिक्षकों को विद्यार्थी संख्या बढ़ाने के लिए लक्ष्य भी दिया था। जिसके तहत अध्यापकों ने घर-घर जाकर शिक्षा विभाग की योजना और राजकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को दी जाने वाली बेहतर सुविधाओं के बारे में अभिभावकों को बताया। जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। इसी कड़ी में अब शिक्षा विभाग ने दूर-दराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया है, ताकि विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। इसका खर्च शिक्षा विभाग ही वहन करेगा।

539 का डाटा हो चुका है अपलोड

शिक्षा विभाग ने विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना का लाभ देने के लिए स्कूलों से ऐसे विद्यार्थियों का डाटा मांगा था, जो दो किलोमीटर या इससे अधिक दूरी से स्कूल आते-जाते हैं। ऐसे विद्यार्थियों का डाटा पोर्टल पर अपलोड करना है। योजना का लाभ पहली से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को मिलेगा। पोर्टल पर अब तक 593 विद्यार्थियों का डाटा अपलोड किया जा चुका है। इन विद्यार्थियों को सोमवार से स्कूल आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

शुरूआत गोहाना से, बाकी जिले बाद में

जिले में छात्र परिवहन सुरक्षा योजना का लाभ सबसे पहले गोहाना खंड के विद्यार्थियों को मिलेगा। यहां अगर योजना सफल रहती है तो इसे जिले के अन्य खंडों में भी लागू कर दिया जाएगा। विद्यार्थियों को वाहन सुविधा उनकी संख्या के आधार पर दी जाएगी। किसी रूट पर विद्यार्थी संख्या 40 तक है तो उनके लिए मिनी बस सेवा शुरू की जाएगी, उससे कम रहने पर छोटे वाहन उपलब्ध करवाए जाएंगे।

विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना शुरू

राजकीय स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना शुरू की गई है। जिसे एक जुलाई से लागू किया जा रहा है। जिले में शुरूआती चरण में यह गोहाना खंड में लागू की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए अब तक 593 विद्यार्थियों का डाटा पोर्टल पर अपलोड हुआ है। स्कूलों की मैपिंग का काम भी लगभग पूरा कर लिया गया है।

- नवीन गुलिया
जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से करें कार्य : अमित बिंदल

सोनीपत। भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रमुख अमित बिंदल। फोटो : हरिभूमि

- भाजपा लघु उद्योग प्रकोष्ठ प्रदेश प्रमुख ने जारी की सह-संयोजक एवं प्रदेश कार्यकारिणी की पहली सूची

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा प्रदेश व्यापार प्रकोष्ठ ने लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के नामों की घोषणा कर दी है। लघु उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रमुख अमित बिंदल ने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की पहली सूची जारी की। जिसमें यमुनानगर से सुमित गुप्ता को प्रदेश सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है। पहली सूची में 9 जिलों की कार्यकारिणी घोषित की है। जल्द ही दूसरी सूची जारी की जाएगी। लघु उद्योग प्रकोष्ठ हरियाणा के प्रदेश प्रमुख अमित बिंदल ने बताया कि पहली सूची में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों में यमुनानगर से हेमंत कुमार गुप्ता व ललित गुप्ता, नूंह से यादराम गर्ग व राजकुमार, भिवानी से अमन भारद्वाज, दुष्यंत कुमार व सुरेश सैनी, अंबाला से सुमित व वरुण जैन, पंचकूला से सी.बी. गोयल व बलदेव गोयल, फरीदाबाद से अमित कुमार व चैतन्य कुमार, पानीपत से परमानंद, रविंद्र राणा व राजेंद्र, गुरुग्राम से सतीश गुप्ता, नरेश गोयल, देवेंद्र सिंह व अजीत राघव और सोनीपत से सतीश जिंदल व पवन जिंदल को शामिल किया गया है। साथ ही कहा कि अगर किसी सदस्य को कार्य के दौरान किसी प्रकार की परेशानी आती है तो उसे संगठन के सदस्यों से साझा करें। जिससे संगठन के कार्य बिना बाधा के संपन्न किये जा सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि सभी सदस्य संगठन को नये आयाम तक ले जाने में पूर्ण ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

किसानों ने बिजली समस्या को लेकर सरढाना पावर हाउस पर किया प्रदर्शन

- अधिकारी नहीं पहुंचा तो किसान खुबडू झाल नहर में आत्महत्या के लिए पहुंचे, चौकी प्रभारी ने रोका

हरिभूमि न्यूज ⏭| गन्नौर

गन्नौर । किसानों की बातचीत करते एसडीओ अभिषेक कौशिक।

रविवार को किसानों ने बिजली समस्या को लेकर सरढाना पावर हाउस पर प्रदर्शन किया। किसान करीब दो घंटा पावर हाउस पर डटे रहे। जब काफी देर तक कोई अधिकारी किसानों मिलने नहीं पहुंचा तो रोषित किसान खुबडू झाल नहर में आत्महत्या करने के लिए पहुंच गए। किसानों के नहर पर पहुंचते ही खुबडू झाल पुलिस चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और किसानों को रोका। इसके बाद उन्होंने निगम के एक्सईएन को फोन किया तो एक्सईएन ने एसडीओ अभिषेक कौशिक को मौके पर भेजा। जिसके बाद किसानों ने दो घंटे बाद अपना धरना खत्म किया। प्रदर्शन में शामिल किसान नेता विरेंद्र , किसान दिलशेर, राकेश, मीनू, परमानंद, सुरजीत, राम कर्ण, बिल्लू, शिल्ला, अनिल, राजू, बलवान, साहिल ने बताया कि धान की फसल का सीजन शुरू हो गया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 1.15 हजार ठगे

हरिभूमि न्यूज ⏭| गन्नौर

गन्नौर। मिनिस्ट्री आफ दिल्ली में डाटा इन्ट्री आप्रेटर की नौकरी दिलाने के नाम 1 लाख 15 हजार रुपएं ठगी करने व पैसे मांगने पर जाने से मारने की धमकी देने के आरोप में पीड़ित युवक की मां ने बड़ी औद्योगिक थाना पुलिस में आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने शिकायत के बाद मामला दर्जकर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में भगत सिंह कालोनी सोनीपत की स्वर्गीय संब इंस्पैक्टर हरियाणा पुलिस की पत्नी अमृति ने बताया कि मेरा बेटा सतवंत बेरोजगार है। वह नौकरी की तलाश में जी टी रोड के पास स्थित गांव लड़सौली में सीएनजी पम्प के पास स्थित जोब सोलुशन हब के नाम से कार्यालय में रिज्यूम जमा करके आया। कुछ समय बाद वहां से फोन आया कि कल मिनिस्ट्री आफ दिल्ली में डाटा एंट्री ऑपरेटर की पोस्ट के लिए आपका इंटरव्यू देने के लिए सुबह दिल्ली चलना है। उसके लिए 20000 की पेमेंट कर दो बाकी पेमेंट सिलेक्शन होने के बाद वहीं पर देनी है। टोटल पेमेंट एक लाख देनी थी। मेरे बेटे ने 20 हजार रुपएं उनके अकाउंट में डाल दिए और अगले दिन उनके साथ दिल्ली इंटरव्यू देने के लिए चला गया।

विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

- मुख्यमंत्री व एचएसवीपी के मुख्य प्रशासक के नाम विधायक सुरेंद्र पंवार को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच के बैनर तले विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर सेक्टर-14 में प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री व हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) पंचकूला के मुख्य प्रशासक के नाम विधायक सुरेंद्र पंवार को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों का नेतृत्व मंच के प्रदेश महासचिव आरके नागर, जिला प्रधान मीना सैनी व नगर निगम मंच के जिला प्रधान मुकेश व टीनू मदान ने किया।

आरके नागर ने बताया कि कर्मचारियों की सरकार से मांग है कि विभिन्न विभागों के कच्चे कर्मचारियों को डीसी रेट की भांति उनके साथ पक्का किया जाए। सभी प्रकार के परियोजना कर्मचारियों जैसे मिड डे मील, आशा, आंगनबाड़ी कर्मचारी, सहायक, पढ़े-लिखे चौकीदारों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उनका वेतन दोगुना किया जाए, पुरानी पेंशन नीति, पुरानी एक्सग्रेसिया नीति को बहाल किया जाए।

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार को ज्ञापन देते हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

भाजपा नेता आनंद सिंह हुड्डा जिला प्रमुख नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭|गोहाना

- भाजपा के सुशासन प्रकोष्ठ के जिला प्रमुख व सह प्रमुखों की घोषणा

भाजपा के सुशासन प्रकोष्ठ के जिला प्रमुखों और सह प्रमुखों की घोषणा की गई है। सोनीपत में आनंद हुड्डा को जिला प्रमुख और मुकेश सैनी को सह प्रमुख नियुक्त किया गया है। भाजपा वरिष्ठ नेता आनंद सिंह हुड्डा भाजपा में मंडल, जिला और प्रदेश की कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं। वे गोहाना विधानसभा क्षेत्र के पन्ना प्रमुख रहे हैं। हुड्डा ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने उनको जो जिम्मेदारी दी है वे उसे पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करते हुए पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने का काम करेंगे। भाजपा नेता आनंद सिंह हुड्डा ने अपनी इस नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित सुशासन विभाग हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है।

विधायक ने पदाधिकारियों के साथ सुना मन की बात कार्यक्रम

- प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पेड़ अपनी मां को समर्पित करते हुए जरूर लगाए

हरिभूमि न्यूज ⏭|गन्नौर

गन्नौर। विधायक निर्मल चौधरी मंडलध्यक्ष विकास त्यागी के आवास पर मन की बात कार्यक्रम सुनते हुए। फोटो : हरिभूमि

गढ़ी केसरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण को विधायक निर्मल चौधरी ने गन्नौर मंडल अध्यक्ष विकास त्यागी के आवास पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकताअरं के साथ सुना।

विधायक निर्मल चौधरी ने कार्यक्रम के बाद संबोधित करते हुए कहा कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कार्यक्रम काफी उत्साह भरा रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक पेड़ अपनी मां को समर्पित करते हुए जरूर लगाए। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को सामाजिक कार्यक्रम करने की प्रेरणा मिलती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने बहुत उन्नति की है। देश विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विकास त्यागी, पूर्व पार्षद हरीश मदान, घसौली सरपंच महेश त्यागी, अजय त्यागी, हरीश नम्बरदार, नरेश कौशिक, महक फौगाट, दीपक रापड़िया, राजेश कपूर, सुनील, मुकेश, अशोक सैनी, रामगोपाल आदि गणमान्य लोग मौजूद थे।

लाखों रुपये से बनने वाले शौचालयों का निर्माण कार्य शुरू

गन्नौर। भाजपा जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद पुनीत राई ने निगम के वार्ड नंबर 8 गांव राई में अड्डे केपास 6 लाख 97 हजार की लागत से महिलाओं व पुरुषों के लिए शौचालय बनवाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। जिला उपाध्यक्ष व निगम पार्षद पुनीत राई ने संबोधित करते हुए कहा कि वार्ड के विकास के लिए वे कोई कसर नही छोड़ रहे है। अपने कार्यकाल में गांव के गंदे पानी निकासी के अलावा गलियों का निर्माण व अन्य कार्य करवाएं है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग की पार्टी है। भाजपा ने कल्याणकारी नीतियां बनाकर सभी के उत्थान के कार्य किए है। इस अवसर पर महंत महेश गिरी, राजकुमार कौशिक, अनिल कौशिक, राकेश त्यागी, संजीव त्यागी, बिल्लू कौशिक, नफे धानिया, राकेश कौशिक, मोहित कौशिक आदि उपस्थित रहे।

गन्नौर। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए बस सेवा को कांग्रेस नेता भगवतदयाल कौशिक रवाना करते हुए।

बस सेवा को जयकारों के साथ किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭|गन्नौर

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए बस सेवा को कांग्रेस नेता भगवतदयाल कौशिक ने जी टी रोड स्थित पैट्रोल पम्प के पास से रवाना किया। कौशिक बस सर्विस की तरफ श्री अमरनाथ यात्रा के लिए बस को हरी झंडी दिखाकर एवं बम-बम भोले के जयकारों के बीच भगवतदयाल कौशिक ने श्रद्धालुओं को रवाना किया और उन्हें यात्रा के लिए शुभकामनाएं भेंट की।

उन्होंने कहा कि भोले नाथ के भक्तों में बाबा के दर्शनों के लिए बड़ा उत्साह है। इस मौके पर प्रदीप, कौशल, अमित, महेन्द्र, रणबीर, विकास, सुरेन्द्र, सतबीर, सुनील, रणबीर, महेन्द्र, संतोष, बिमला, कमला, विद्यावती, हरकोर, दर्शन, रिमा आदि सैकड़ों भक्त रवाना हुए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

खेलकूद | सोनीपत के गांव जुआं की बहू मंजीत रानी साईं केंद्र में बतौर प्रशिक्षक कार्यरत रही

एशियन चैंपियनशिप में छाई जुआ की बहू मंजीत रानी और टीम, जीती ओवरऑल ट्रॉफी

- एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता 22 से 30 जून तक जॉर्डन के अम्मान में आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭|सोनीपत

गांव जुआं की बहू मंजीत रानी व उनकी टीम की पहलवानों ने एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में ओवरऑल ट्रॉफी जीतकर देश व प्रदेश का नाम चमकाया है। मुख्य प्रशिक्षक मंजीत रानी की टीम में कुल 10 पहलवान शामिल थी। जिन्होंने प्रतियोगिता के अंडर 23 आयु वर्ग के विभिन्न भार वर्ग में देश के लिए छह स्वर्ण व चार रजत पदक जीते हैं। एशियाई कुश्ती प्रतियोगिता 22 से 30 जून तक जॉर्डन के अम्मान में आयोजित की गई। महिला कुश्ती टीम के साथ बतौर मुख्य प्रशिक्षक मंजीत रानी ने पहलवानों की जीत में अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में भारतीय महिला कुश्ती टीम की पहलवानों ने 230 अंक के साथ ओवरऑल ट्रॉफी जीती है। वहीं कजाकिस्तान की टीम ने 154 अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान व किर्गिस्तान ने 147 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया है।

सोनीपत। विजेता टीम अपनी कोच मंजीत रानी के साथ। फोटो : हरिभूमि

मुख्य प्रशिक्षक मंजीत रानी की अहम भूमिका

मंजीत रानी मूल रूप से रोहतक के गांव भगवतीपुर की रहने वाली है। उनकी शादी वर्ष 2017 में गांव जुआं निवासी मनोज छिक्कारा के साथ हुई थी। मंजीत रानी पहली बार महिला कुश्ती टीम के साथ बतौर मुख्य प्रशिक्षक जॉर्डन गई थी। जिसमें सभी पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन किया है। मंजीत रानी अपने समय की बेहतरीन खिलाड़ी रह चुकी है। उन्होंने वर्ष 2009 में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में प्रतिभागिता की थी। वह तीन बार राष्ट्रीय पदक विजेता रह चुकी है। मंजीत रानी वर्ष 2012 से साईं केंद्र में प्रशिक्षक व भारतीय टीम के साथ हैं। प्रशिक्षक मंजीत रानी ने बताया कि वह बेहद खुश हैं। टीम की सभी पहलवानों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। जिसकी बदौलत भारत की बेटियों ने ओवरऑल ट्रॉफी जीती है।

इन्होंने जीता स्वर्ण

मीनाक्षी (50 किग्रा, जींद, हरियाणा), रीना (57 किग्रा, हिसार, हरियाणा), पुष्पा यादव (59 किग्रा, उत्तर प्रदेश), निकिता (62 किग्रा, दिल्ली), अंतिम (65 किग्रा, रोहतक, हरियाणा), प्रिया (76 किग्रा, जींद, हरियाणा।

रजत पदक विजेता

तमन्ना (53 किग्रा, रोहतक, हरियाणा), सीतो (55 किग्रा, रोहतक, हरियाणा), अमृता (65 किग्रा, महाराष्ट्र), प्रियंका (68 किग्रा, रोहतक, हरियाणा)

स्टेट वुशु चैंपियनशिप में जीते 9 पदक

खरखौदा। फरीदाबाद में आयोजित हरियाणा स्टेट जूनियर वुशु चैंपियनशिप में प्रताप स्कूल खरखौदा के खिलाड़ियों ने 6 गोल्ड, दो सिल्वर व एक ब्रॉन्ज मेडल सहित 9 पदक जीतकर सोनीपत जिले व अपने स्कूल का नाम रोशन किया है। पदक विजेता खिलाड़ियों में ध्रुव 52 किलोग्राम, यस 56, चिराग 65, हर्ष 75, धीरज 80 व चिराग 65 ने गोल्ड मेडल, आशीष 52 व शिवम 75 ने सिल्वर मेडल व वैभव ने 60 किग्रा भार वर्ग में ब्रॉज मेडल प्राप्त किया। पदक विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय प्रांगण में द्रोणाचार्य अवॉर्डी एवं स्कूल खेल निदेशक ओमप्रकाश दहिया, प्रिंसिपल दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया, वुशु कोच ईशु व मास्टर महेंद्र रोहना ने स्वागत किया।

- कोच के अनुसार प्रतियोगिता के गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ियों का चयन नेशनल वुशु चैंपियनशिप के लिए हुआ